

DPN 6810

व्याकरणा VYĀKARANA

Title :

Run. No. 7535

Cat. No.

Micro. No.

Subject व्याकरण Grammar

Religion : Hindu / Bauddha

Language : ☒ Skt. / ☒ New. / ☒ Nep. / ☒ Skt.- New. / ☒ Maith.- New. / ☒ New.- Nep. /

Size in cms. 30.2 x 9.5

Folios 54

Lines (in a page) 8

Compl. / ☒ Incompl.

☒ missing 1-2
Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / ☒ donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place Purna Kaji Tamrakar

Script : ☒ New. / ☒ Dev. / ☒ Bhuj. / ☒ Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / ☒ paper / ☒ thyasaphu /

Condition : ☒ fine / ☒ damaged by worms, ☒ rats, ☒ water /

Beginning, colophon, post-colophon :

इति प्रत्याहार ग्रन्थविभाग ॥ इति स्वराग्र ग्रन्थविभाग ॥

五

[illegible]

[illegible][illegible]

15

51

ति॥संहितायां तन्त्राण्येकं कथं गममाह विद्याति॥आह माहात्म्ये धीयत॥तत्र तावाह माहो॥दका प्रस्थापयित्वा तत्रैव दाय॥
 कदं भविकु तमनय वरुवति॥यथा मया युक्त कर्मादिषु॥किन्तु मया एव वरुवति॥ता एव तमदहं॥तिवचनो॥तस्मात्तु ग
 माह वति॥सामान्या स्याति यदर्थं॥अथ पूर्ववत्॥आह दयति॥माह दयति॥तिष्ठति॥विधिः॥अथ स्वतंत्रं धियुक्त
 त॥यद्विजुग॥मी॥जुग॥मधु॥जुग॥वधु॥आकृतिः॥यिह॥अर्थः॥७॥आकृतिः॥तिष्ठति॥संहितायां सित्यन्तर्वर्त्तमानं॥
 कायस्य वि॥कायस्य नयस्य द॥महवति॥अथियत्र त॥संहितायां सित्यन्तर्वर्त्तमानं॥यथा तन्त्राण्येकं कथं गममाह विद्याति॥
 तिकावा॥त्यन्तर्वर्त्तमानं॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥
 व्रतं तन्त्रायाति॥कस्मात्॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥
 व्रतं तन्त्रायाति॥कस्मात्॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥

धिः

जति॥मलांज॥मद॥महवति॥महियत्र त॥तिष्ठति॥पूर्वधका प्रस्थापयित्वा तत्रैव दाय॥
 अकृत्तमसु॥महवति॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥
 कि॥संयोगमकस्य लाय॥संयोगमकस्य यदा कस्य लाय॥तिष्ठति॥लायया॥यदा श्यति॥ध्यावक॥तिष्ठति॥नरुवति॥
 ॥सिद्धिश्चात्र ही कर्तव्यं॥दक्ष॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥महियत्र त॥
 क॥तिष्ठति॥संहितायां॥कायस्य नयस्य द॥महवति॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥
 ॥त्यन्तर्वर्त्तमानं॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥
 द्वाडका॥तिष्ठति॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥
 वक्ष्यति॥यत्र तावत्॥महवति॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥अथियत्र त॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

दशम

प्रमथय्यसयप्रयदाकस्य॥स्यनवर्कमात॥तश्चय॥य॥मत॥तकाप्रस्ययदाकस्यनूवति॥अमयप्रकप्रियमत॥य॥मत॥
 दंवर्कयित्वा॥उकाप्रतीप्र॥सूतादसूततिवि॥अथ॥अर्थ॥अज्ञानतासिक॥पूर्वस्यउवा॥अज्ञानयकप्र॥अज्ञान॥पूर्वस्यवर्क
 स्यान्तासिकाप्रतीरुवति॥वाअनतासिकोस्ययानस्यप्र॥य॥अथ॥अर्थ॥पूर्वस्यवर्क॥अज्ञानतासिकाप्र॥अज्ञानविहित॥न
 जानस्यारुवति॥कस्यनस्यप्र॥अज्ञानसिद्धवर्कस्यप्र॥अथ॥अर्थ॥अज्ञानतासिकोस्ययानस्यप्र॥य॥अथ॥अर्थ॥पूर्वस्यवर्क॥अज्ञानविहित॥न
 रुस्यविमर्कनीयाप्र॥अज्ञानविमर्कनीयाप्र॥अथ॥अर्थ॥अज्ञानतासिकोस्ययानस्यप्र॥य॥अथ॥अर्थ॥पूर्वस्यवर्क॥अज्ञानविहित॥न
 प्रस्ययथायागं॥अज्ञानतासिकोस्ययानस्यप्र॥य॥अथ॥अर्थ॥अज्ञानतासिकोस्ययानस्यप्र॥य॥अथ॥अर्थ॥पूर्वस्यवर्क॥अज्ञानविहित॥न
 ए॥अज्ञानतासिकोस्ययानस्यप्र॥य॥अथ॥अर्थ॥अज्ञानतासिकोस्ययानस्यप्र॥य॥अथ॥अर्थ॥पूर्वस्यवर्क॥अज्ञानविहित॥न
 किंयमात्रेताति॥अज्ञानतासिकोस्ययानस्यप्र॥य॥अथ॥अर्थ॥अज्ञानतासिकोस्ययानस्यप्र॥य॥अथ॥अर्थ॥पूर्वस्यवर्क॥अज्ञानविहित॥न

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

वगदस्यवडाकाप्रभसम्पन्नविषय पूर्ववद्यकाप्रभाडाभाङ्गमगस्य ॥ डाकात्रादरुत्रयार्थकाप्रवकाप्रयाज्ञाचारवतिजुमिय
प्रभभगमग्रयहंयुजाथंभस्यपूर्वगाइत्यादवादभनरवति। पूर्वयुयत्वनरवति ॥ हा००॥ हा०॥ गमजुग। अथा०॥ हि०॥ नृत्वाहा
वयका॥ ८भाजस्वायत्रिद्युदित्या। रवतिहा० रगवन्नग। अथवन्नहि॥ रगवन्नगकु। दवाहससक्ति॥ ००॥ तिहित॥ गथेवनकाप्र
सकाप्रस्यनृत्तकत॥ अथवगदस्यडाकाप्रकत॥ पूर्ववत्नृत्तकत॥ हलिसेधेषां॥ हलियत्रतायाज्ञाचारवति। सर्वषामावा
यांनामर्तन। रागकु। दवाहसक्ति॥ अमिजुग। यदगकुति॥ मोयाति॥ ००॥ तिहित॥ गथेवयथमासुतस्यनृत्तकत॥ ८का
प्रलाप० निमित्तावादिध्वनकारावध। अमिजुग। यदगकुति॥ मोयाति॥ अथाप्रसत्यांश्च०॥ तिहित॥ यूनप्रमत्त। अमि
गो। यदगकुति॥ तिहित॥ यथमासुडकाप्रलाप०। यूनप्रमत्त। यथायथायसूय०॥ तिसूयालुक॥ ००॥ तत्रगमात्रत्वमनूवश्चला

[illegible][illegible]

विरुक्तयः संकपलापदिभ्यः क॥ का॥ यूनका॥ सुडोजमरुति यथमा॥ अमडो॥ गहौद्वितीया॥ ठायां रिमरुति॥ हतीया॥ ढयां रिमरुति॥
वडुथी॥ ढासि॥ र्यां रिमरुति॥ यं रमी॥ ढ॥ मडा॥ मरुति॥ षडी॥ ढिडा॥ मसूय॥ रित्सकमी॥ ७॥ ता॥ य॥ स॥ फ॥ वि॥ क॥ य॥ ४॥ या॥ ति॥ य॥ दि॥ का॥ ल॥ य॥ न॥ रु॥ वं॥ ति॥
॥ या॥ ति॥ य॥ दि॥ कं॥ द्वि॥ वि॥ धं॥ अ॥ ऊ॥ कं॥ ह॥ न॥ क॥ थ॥ ॥ त॥ य॥ यून॥ क॥ वि॥ धं॥ य॥ लि॥ कं॥ सी॥ लि॥ कं॥ न॥ यं॥ स॥ क॥ ल॥ ति॥ ॥ ग॥ ण॥ ३॥ का॥ ल॥ य॥ लि॥ कं॥ त॥ व॥ रु॥ म॥ द्या॥ त्स॥
फ॥ वि॥ रु॥ क॥ य॥ ४॥ य॥ द॥ य॥ कं॥ ॥ व॥ रु॥ र॥ ति॥ लि॥ न॥ ॥ अ॥ र्थ॥ व॥ द॥ ध॥ उ॥ य॥ य॥ य॥ या॥ ति॥ य॥ दि॥ कं॥ ॥ र॥ ति॥ या॥ ति॥ य॥ दि॥ कं॥ सं॥ रू॥ ॥ य॥ ल॥ य॥ ४॥ य॥ न॥ य॥ र्यां॥ या॥ ति॥
य॥ दि॥ का॥ दि॥ ल॥ य॥ न॥ व॥ रु॥ मा॥ न॥ ॥ स्वा॥ दि॥ ल॥ णं॥ म॥ स्वा॥ द्या॥ ल॥ ॥ उ॥ र॥ य॥ ग॥ म॥ व॥ स्वा॥ दि॥ य॥ स॥ कं॥ या॥ फ॥ ॥ व॥ रु॥ वि॥ व॥ का॥ य॥ र्थ॥ वि॥ का॥ म॥ द॥ य॥ द॥ लि॥ ति॥ वि॥ व॥ का॥
व॥ म॥ त॥ ॥ अ॥ र्थ॥ मा॥ णं॥ क॥ वि॥ व॥ का॥ यां॥ ॥ र॥ ति॥ य॥ क॥ व॥ च॥ न॥ दि॥ व॥ च॥ न॥ व॥ रु॥ व॥ च॥ न॥ अ॥ क॥ म॥ ४॥ र॥ ति॥ य॥ धि॥ रु॥ क॥ ल॥ ॥ सू॥ य॥ सी॥ ति॥ गी॥ ति॥ य॥ दा॥ ति॥ ह॥ त्वा॥ ॥ क॥ व॥
च॥ न॥ दि॥ य॥ च॥ न॥ व॥ रु॥ व॥ च॥ न॥ सं॥ रू॥ का॥ नि॥ रु॥ व॥ ति॥ ॥ दि॥ क॥ या॥ दि॥ व॥ च॥ न॥ कं॥ व॥ च॥ न॥ ॥ दि॥ ल॥ क॥ ण॥ या॥ न॥ र्थ॥ या॥ दि॥ व॥ च॥ न॥ क॥ व॥ च॥ न॥ रु॥ व॥ त॥ ४॥ ॥ क॥

द्विलक्षकलविवक्षायां

[illegible]

वक्र१

बूझ

[illegible]

॥००॥ ति संसृयां तापयययाजतं तस्माच्छानः प्रसीति विमर्षमर्थभायथमयाः पूर्वसर्वसंस्तुतिदीर्घः ॥ तस्माच्छानः प्रसीति ॥
तस्मात्प्रथमयाः पूर्वसर्वसंस्तुतिदीर्घः कृतस्य मसः सकारस्यानकारादभिरुवतिप्रीतिवृत्तान्ताञ्जुहृष्टादनुमययायपि ॥ ति
तत्त्वयाप्राति ॥ न राख्यकमिदं वयां ॥ त्यधिकृत्यापदानस्य ॥ यदाकाशानकारस्य दकायादभिरुवति ॥ तपतिषः
धशतथेवकलकप्रदाविवकायां ॥ वृत्तं ॥ तिहितं ॥ पूर्ववत्यातिपदिकसंसृयां ॥ अविमर्षदस्त्राद्युत्पत्त्यापायां ॥ विवकावः
भतयकः कलगास्तु ॥ कलगां कि यासिद्धोयः ॥ ह्यानकुदविवक्तिगार्थः ॥ तस्मात्प्रकारं कलसंसृष्टवति ॥ किं कर्तव्यं ॥ साधकतमं
कर्तव्यं ॥ कि यासिद्धोयः ॥ यदुक्तापकारं विवक्तिं तस्मात्प्रकारं कलसंसृष्टवति ॥ ००॥ ति कर्तव्यं ॥ अनसिद्धिं ॥ त्यधिक
त्याकलकप्रदायास्तु ॥ तीया ॥ तिदकलद्विगुणसमासेन नसिद्धिं कलकप्रदायास्तु ॥ तीया ॥ विरुक्तिर्हवति ॥ तज्जायिकल ॥ कलकप्रदा

[illegible]

ॐ तिष्ठितं अहं हिसंवेसा अकाजा कादका इह न स्याति संवेसाय (भा. वति)। अला क्यस्य ॐ तिसकात्र स्यायफ। अनकालमि न स
 र्वस्य। अनकालय आदम ४ विवस सर्वस्य स्का ॐ तिसर्वीयम ४। वद्वि नूत वि सृजो वि के ४ स्की यम। क व व वि व कायां रुदाता कि ॥ व
 क्त द कि रा त आ द्वि व न व द्र व न या न पि ॥ स ह य क प ध न ॥ स ह ग द्वा र्थ या ॥ ग द्वि ती या रु व ति ॥ पू र्ण द स ह ग त ४ पि ता ॥ ह तो ग
 रु ल सा ध न या ॥ य १ प द ॥ अ ला क ह उ नू श त ॥ त ग ह ती या रु व ति ॥ व के द जी व ति ॥ ७ वं दि व न व द्र व न या न पि ॥ अ थ सं प द न वि
 व का यां ॥ व क्त ४ ॐ ति स्ति त ॥ क र्म दाय म रिये ति स सं प द न ॥ क र्म द म क र द रू त दी य म र्थ म रिये ति ॥ त त का त क सं प द न सं रू र
 व ति ॥ सं रू प त ४ पि ता ॥ ही सं प द न म य त ॥ अन रू दि त ॥ अ धि क त्वा ॥ सं प द न व उ थी ॥ सं व द न का त क १ त रू दि त व उ थी वि त ॥
 किं कृ व ति ॥ ग ग पि सं प द न क वि व का यां ॥ क व न नं ॥ क का त स्य स म क रू द्वि त ॥ ती सं रू ला प ४ य या रु त ॥ ४ य ४ ॐ ति वि

१९

(मम त्म र्थ ४) ४ य ४ अकाजा कादका इह न स्या ४ य ४ ॐ तिसकात्र स्यायफ। अनकालमि न स
 र्वस्य। अनकालय आदम ४ विवस सर्वस्य स्का ॐ तिसर्वीयम ४। वद्वि नूत वि सृजो वि के ४ स्की यम। क व व वि व कायां रुदाता कि ॥ व
 क्त द कि रा त आ द्वि व न व द्र व न या न पि ॥ स ह य क प ध न ॥ स ह ग द्वा र्थ या ॥ ग द्वि ती या रु व ति ॥ पू र्ण द स ह ग त ४ पि ता ॥ ह तो ग
 रु ल सा ध न या ॥ य १ प द ॥ अ ला क ह उ नू श त ॥ त ग ह ती या रु व ति ॥ व के द जी व ति ॥ ७ वं दि व न व द्र व न या न पि ॥ अ थ सं प द न वि
 व का यां ॥ व क्त ४ ॐ ति स्ति त ॥ क र्म दाय म रिये ति स सं प द न ॥ क र्म द म क र द रू त दी य म र्थ म रिये ति ॥ त त का त क सं प द न सं रू र
 व ति ॥ सं रू प त ४ पि ता ॥ ही सं प द न म य त ॥ अन रू दि त ॥ अ धि क त्वा ॥ सं प द न व उ थी ॥ सं व द न का त क १ त रू दि त व उ थी वि त ॥
 किं कृ व ति ॥ ग ग पि सं प द न क वि व का यां ॥ क व न नं ॥ क का त स्य स म क रू द्वि त ॥ ती सं रू ला प ४ य या रु त ॥ ४ य ४ ॐ ति वि

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

नञययदंसकमीलं। नञ्चिनीयधालधिकात्रयनसकम्यानिर्दिष्टं तद्वययदसंसंख्यति। सामन्त्ययदयदीतामंयिवतीतिवियरु॥ अत्रा
नयसंज्ञकः॥ नियाफातदयवाद॥ एतयःयेत्रयधगात्रित्यधिकृत्य॥ ४

[illegible]

22

[illegible]

॥ कविर्हि ॥ अथ कविवचन ॥ अर्द्धि ॥ अथ कव्याङ्गस्य विधिवचनयत्रतायुक्तवर्ति ॥ अथादमभाकवयः ॥ कविस्थां ॥ कविस्य भाय
कस्याउ ॥ एकता ॥ पूर्ववत् ॥ अर्द्धि ॥ अथ कव्याङ्गस्य विधिवचनयत्रतायुक्तवर्ति ॥ अथादमभाकवयः ॥ कविस्थां ॥ कविस्य भाय
कायस्य पूर्ववत् ॥ अर्द्धि ॥ अथ कव्याङ्गस्य विधिवचनयत्रतायुक्तवर्ति ॥ अथादमभाकवयः ॥ कविस्थां ॥ कविस्य भाय
मियत्रतायुक्तवर्ति ॥ अर्द्धि ॥ अथ कव्याङ्गस्य विधिवचनयत्रतायुक्तवर्ति ॥ अथादमभाकवयः ॥ कविस्थां ॥ कविस्य भाय
वृद्धि ॥ अथादमभाकवयः ॥ कविस्थां ॥ कविस्य भाय
तय ॥ ॥ अथ कव्याङ्गस्य विधिवचनयत्रतायुक्तवर्ति ॥ अथादमभाकवयः ॥ कविस्थां ॥ कविस्य भाय
वर्ति ॥ अथादमभाकवयः ॥ कविस्थां ॥ कविस्य भाय

१७

[illegible]

यादंभरवति॥अतिथयत॥५॥कृतनद्यापानद॥तामीतिदीर्घभाययात्संखंलिम्॥कतिगद्यस्यरुद॥किमन्तिस्त्रि
॥किंयजिमादमेषामिति विग्रह॥यद्यग्रयत्रयंयातिपदिकादित्यनूवर्कमात॥तद्विता॥समभितांयथमाद्यान्
त्यधिकृत्य॥किम॥संख्यायजिमातडति॥किम॥दस्ययजिमात॥उतिप्रयत्यारुवति॥उकाप्रस्यत्संखलाप॥यथा
ऊतं॥उविंगतउतिविभयत्सं॥तद्विता॥तद्वितसंख्यां॥अरुस्यरुस्यद्यायात॥उविंगतउतिनूवर्कमात॥४॥उ
तियत्ययंयत्रता॥रुस्यरुस्य॥अपिरुवति॥कति॥तिस्त्रि॥तद्विता॥तद्वितसंख्यां॥रुद्वितसमासा॥अतियाति
यदिकंख्यां॥स्वाद्युत्यकि॥वक्र॥थवा॥वित्वा॥वक्रवयनमवरवति॥जसिक्काका॥त्यउति॥अधिकृत्य॥उति॥य॥उत्यनं॥गद्यनूयं
षट्संखकंरुवति॥तिषट्संख्यां॥जसमसा॥मि॥॥त्यनूवर्कमात॥मद्यानूक॥षट्संखकस्य॥उकप्रयार्जसमसाः

नृरुवर्गिकमितिषमि। द्वितीयावद्वयन कतिपय्य कतिरिभकतिर्यभकतिर्यभाषद्वय्य॥ षड्दंरुकत्यव्यु
जगदस्यासा नृगगभारवति। कतीनां कतिषु। लिङ्गययिहमानंनृयं॥ ॥०॥ कात्राक॥ यूलिङ्गायमदीमद्य॥
सापिग्रभमेगद्यपयदस्यनयन॥ क्विवक॥ दीनृयायदा॥ नृकात्रस्यहृन्त्यमितीहं हलाय॥ यथाजनं॥ स्वयितन्त्रि
न॥ कहिरियायकियारुलमिति विजयमथभरुवाद्याधतवन्तिधरुहं॥ धात्राद॥ यत्तन्वर्तमान॥
न॥ धात्राद॥ हकात्रस्यनकात्राद॥ भरुवति॥ नी॥ तिस्त्रि॥ धात्राधिकारविहितानकयत्यययसक्त्याफ॥ विवका
वभत॥ यमंनयतीतिवियहं॥ धात्रात्रित्यधिकृत्या॥ सुपिस्त्वंत्यनवर्तमान॥ सतसुद्विषदुहूहपूजविदहिदहिद
जीतीराजानूयसहृन्क्रियाषद्विसृजगस्यवसादनपू॥ पूरुपानिगईविपावन॥ द्विभूयीती॥ इहयपूत॥ दूहृदि

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

तिदं भागं सुदृष्टिं च तस्यैव ति। एवमस्य यद्वयं तद्वयं ति। अतः सोऽयं चिह्नः। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः
कायात्मा तमसः तमसः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः सोऽयं चिह्नः। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः
धनं यथा हलः उच्यते। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः सोऽयं चिह्नः। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः
शंकायाः। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः सोऽयं चिह्नः। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः
स्यात्तस्यैव। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः सोऽयं चिह्नः। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः
वति। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः सोऽयं चिह्नः। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः
कायात्मा तमसः तमसः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः सोऽयं चिह्नः। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः
कायात्मा तमसः तमसः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः सोऽयं चिह्नः। अतः स तस्यैव दं भागं तद्वयं। अतः

[illegible][illegible]

[illegible]

॥ द्विः कि प्रिति विशा यत् ॥ इका तलायः यथा जनं ॥ ३

[illegible]

歌

[illegible]

五

यञ्जीसीष्टुष्टुअकवयतं॥दसिठसाध्वतिपूर्वत्रुयत्वं॥गम॥गमय्यां॥गमय्य॥गमभगवा॥गवां॥गवि॥गवाप्॥ ॥उवेद्यामद॥
॥गमताति॥०॥तिनयनकत्रहसामर्थत्॥आमद्यादसुयनसर्वतामस्कानंदिदिष्टतं॥तिवयतातुतिरुवति॥अन्यसर्व॥गमभ
वत्॥ ॥नेकात्रात्तयन्निष्ठ॥सुयगाद॥सुय०॥तिष्ठित॥उरयथ॥थमेकवयतं॥॥गमतात्रात्त्यतिविग्रह॥सुयामक्ति
यत्राकवत्त्वययाकदात्रात्तमास॥सहसुयाविराघा॥अघावक्रवीहि०॥त्यनवर्त्तमान॥अन्यकमन्ययथा॥अनकंसर्वनी
अन्ययथा॥वर्त्तमानं॥सुयासहसुयस्यतं॥वक्रवीहि०॥सुयासहसुयति॥समर्थ॥यद्विद्वि॥समर्थतां॥यदानां॥द्विद्वेति
॥कलद्वितसमासाध्वति॥याति॥यदिकसं॥सुयाध्वयाति॥यदिकयाति॥सुयानक॥अन्यकमिति॥यथमानिद्विद्वेति॥द्वयात्रयि॥
द्वयानुयसर्जनं॥द्वयात्रयिपूर्वद्वयवि॥असद्विद्वेति॥यातयाफ॥सकतीवि॥अस॥वक्रवीहि॥वक्रवीहिसमास्यत्यकमीतिद्विद्वेति॥

[illegible]

३३

[illegible]

[illegible][illegible]

शीवभात॥ धाताप्रित्यधिकृत्यावरुमानल॥ वरुमानध्वधातार्लद्वयत्ययावति॥ लट॥ गृहभातवावयधमासमानधिक
 जने॥ लट॥ गृहभातयोयत्ययोत्तवत॥ जूयधमाक्षति॥ समाताधिकत्रदोरुवति॥ सकात्रडगित्कार्यार्थ॥ गकाप्रसिद्धि
 तसार्धधांकमिति॥ वि॥ गष॥ धार्थ॥ अननसार्धधातुकसंरुपां॥ सार्धधातुकत्यधिकृत्या॥ कलुप्रिभाय॥ कलुवाप्रिनि सार्ध
 धातुकयत्रताधाता॥ गय्यत्ययावति॥ डगित्यनवरुमान॥ अदियह॥ तित्य॥ गपात्तुरुवति॥ सवर्हदीर्घ॥ यातु
 तित्ति॥ तयायाति॥ यदिकसंरुपां॥ डगित्यवति॥ दीयू॥ वातयूं॥ संकत्यधिकृत्या॥ आक्षीर्णधारुम॥ आवकात्यप्रस्यगं
 व्रीत्तमागमावगति॥ मित॥ धा॥ यत्रत॥ सवति॥ दयो॥ न्यात्यप्र॥ न्याकादयत्रावति॥ डकात्रडवात्र॥ धार्थ॥ मिदया
 न्यात्यप्रमिति॥ वि॥ गष॥ धार्थ॥ मयदाकस्य॥ मलित्यनवरुमान॥ अननसार्धधातुकसंरुपां॥ सार्धधातुकत्यधिकृत्या॥ कलुप्रिभाय॥ कलुवाप्रिनि सार्ध
 धातुकयत्रताधाता॥ गय्यत्ययावति॥ डगित्यनवरुमान॥ अदियह॥ तित्य॥ गपात्तुरुवति॥ सवर्हदीर्घ॥ यातु
 तित्ति॥ तयायाति॥ यदिकसंरुपां॥ डगित्यवति॥ दीयू॥ वातयूं॥ संकत्यधिकृत्या॥ आक्षीर्णधारुम॥ आवकात्यप्रस्यगं
 व्रीत्तमागमावगति॥ मित॥ धा॥ यत्रत॥ सवति॥ दयो॥ न्यात्यप्र॥ न्याकादयत्रावति॥ डकात्रडवात्र॥ धार्थ॥ मिदया
 न्यात्यप्रमिति॥ वि॥ गष॥ धार्थ॥ मयदाकस्य॥ मलित्यनवरुमान॥ अननसार्धधातुकसंरुपां॥ सार्धधातुकत्यधिकृत्या॥ कलुप्रिभाय॥ कलुवाप्रिनि सार्ध

कल्हास्त्रुत्यलि॥ हलद्यादिनसूत्राय॥ या नी। या यो। यां त्य॥ आ न मा रा व। या ती। या यो। या त्य॥ कर्त्तु म द्द व दू यं। ह जा ति
ह जा ति॥ ॥ रू स ल यां। ल ट अ य। सार्ध धा ड कर्त्तु धा ड क य। ॥ ति ड व। ॥ का ड व द्दी ति। ॥ क स्य स्या त्। अ वा द न मा
अ ता ड। अ य न दू यं। र व त। ॥ ति ह। त। ड गि त। अ ति दी य। अ क्ति न्। अ न स। ॥ अ न व र्त्त मा न। ग य अ न। न्नि र्त्त्यं। ग य अ न। अ
ग क स्य। ग ड। न्नि र्त्त्यं न मा ग मा र व ति। शी न ड। अ य न त। अ न स्या न्। स्या न्। अ न स्या न्। स्य य यि य न स व र्त्त॥ अ कल्हास्त्रुत्यलि॥
हलद्यादिनसूत्राय॥ र व नी। र व नी। र व न्य॥ ह र वं ति॥ ॥ या न र। व। ग ह दी य न म॥ या नी। या यो। या त्य॥ न
मा रा व॥ या ती। या यो। या त्य॥ ॥ दि व्। की र्त्तु। वि जि गी षा ड्। ति क्तु। क। ति ग। ति षू। ड का न्। ड गि त। व ति वि। अ य अ र्थ भि न
ट ग। अ द स॥ दि वा दि त्य॥ अ य न॥ दि वा दि त्यो धा ड त्य॥ क र्त्तु वा त्रि नि सार्ध धा ड क य न त॥ अ न य त्य या र व ति। अ या। अ वा द

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

तिष्ठितं नित्यं यदीयं तिष्ठति याम् ॥ तस्य हस्तमादित्यः ॥ षष्ठं संरुक्कयः ॥ हस्तमादित्यः ॥ गुरुयां दीयत इति ॥ स्वाध्यायः ॥
 जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥
 नत्वा रावः ॥ तं तमा ॥ ॥ संधाधनं ॥ दमातः ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥
 नादीधितिः ॥ संधाधनं ॥ दमातः ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥
 ॥ ॥ डाका नः ॥ स्त्रीलिङ्गः ॥ गुरुयां दीयत इति ॥ स्वाध्यायः ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥
 स्त्रीलिङ्गः ॥ गुरुयां दीयत इति ॥ स्वाध्यायः ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥
 ॥ ॥ डाका नः ॥ स्त्रीलिङ्गः ॥ गुरुयां दीयत इति ॥ स्वाध्यायः ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥
 ॥ ॥ डाका नः ॥ स्त्रीलिङ्गः ॥ गुरुयां दीयत इति ॥ स्वाध्यायः ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥ जूनदहलायादीधितिः ॥ याम् ॥ माता ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

43

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]